भारत स्वाभिमान

युवा भारत

ॐ भारत की शक्ति एवं स्वदेशी-विदेशी कम्पनियाँ ॐ

आज पूरे विश्व में 204 देश हैं। उसमें अमेरिका, चीन, जापान व भारत, ये विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था वाले देश हैं। अमेरिका की 700 लाख करोड़ से अधिक की, चीन की 500 लाख करोड़ रुपये की तथा जापान व भारत की 200 लाख करोड़ रुपये की अर्थ-व्यवस्था है। यद्यपि अमेरिका दुनियाँ में सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था का केन्द्र है लेकिन 700 लाख करोड़ रुपये का विदेशी कर्ज, मात्र लगभग 2% की ही विकास दर, 8% का बजटीय घाटा, न्यूनतम सोना व विदेशी मुद्रा भण्डार, घटता हुआ निर्यात तथा टूटती हुई साख के कारण अमेरिका में फॉरेन इन्वेस्टमेन्ट के नाम पर जमा 21 ट्रिलियन डॉलर अर्थात लगभग 1100 लाख करोड़ रुपये कभी भी उसकी अर्थ-व्यवस्था से बाहर हो सकता है, अमेरिका देश की बड़ी-बड़ी संस्थाएं भी अब स्वीकार कर रही हैं कि जो देश पूरी दुनियाँ को कर्ज देता था आज वह खुद बहुत बड़े कर्ज के नीचे दब गया है। जापान क्योंकि बहुत छोटा देश है, अतः उसके विकास की भी सीमाएँ अधिक नहीं हो सकती। अब असली मुकाबला चीन व भारत के बीच ही होगा।

पूरा यूरोप अर्थात यूरो जोन इटली व ग्रीस आदि धीरे-धीरे कर्ज के कारण दिवालिया हो रहे है, यूरोप व यूरो के पतन के बाद अमेरिका व डॉलर का भी पतन तय है, ब्रिटेन तथा पौंड तो पहले ही बहुत बुरी स्थिति में है। ब्रिटेन की कुल जी.डी.पी. है लगभग 100 लाख करोड़ तथा कर्ज है लगभग 450 लाख करोड़। अतः अब विश्व की महाशक्तियों के रूप में दो ही देश उभर कर सामने आ रहे हैं चीन व भारत।

हमें चीन का मूल्यांकन कम करके नहीं आंकना चाहिए। भारत से चीन की अर्थ-व्यवस्था तो लगभग ढाई गुना बड़ी है साथ ही चीन में बचत भी हमसे लगभग दो गुणा, सैन्य शक्ति व परमाणु शक्ति भी हमसे कम से कम दो गुणा अधिक है। सबसे बड़ी बात चीन का निर्यात तथा सोना व विदेशी मुद्रा का भण्डार भी हमसे लगभग दस गुणा अधिक है। औद्योगिक विकास में भी चीन भारत से कई गुणा आगे निकल चुका है। अमेरिका व अफ्रीका सहित पूरे विश्व की अर्थ-व्यवस्था में चीन का बहुत बड़ा दखल है। अन्त में सबसे बड़ी व खतरनाक बात यह है कि चीन भारत का मित्र राष्ट्र न होकर सदा बैर रखने वाला, भारत से युद्ध करने वाला देश रहा है। अतः आज हम यदि देश का ये 400 लाख करोड़ रुपये देश को दिलाकर इसे पूरी ईमानदारी से राष्ट्र के विकास में लगाते हैं तो भारत एक ही दिन में चीन से आगे निकल सकता है और विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। कालाधन देश को दिलाने के साथ-साथ देश के कोयला, लोहा, हीरे, प्राकृतिक गैस, पैट्रोल, डीजल आदि 89 प्रकार की भू-सम्पदाओं को जिनकी कीमत लगभग 10 से 20 हजार लाख करोड़ रुपये है, इनको भी हमें लुटने से बचाना है।

भारत कभी भी आर्थिक दृष्टि से कमजोर नहीं रहा। पहले देश की व्यवस्था में बैठे लालची राजाओं, भ्रष्ट व्यवस्था व देश के लोगों के संगठित न होने के कारण रॉबर्ट क्लाइव एवं लॉर्ड डलहॉजी जैसे गोरे अंग्रेजों ने हमारे देश को लूटकर हमारे समाज की व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दिया, जिसमें से रॉबर्ट क्लाइव ने देश की सम्पदा को लूटकर 900 पानी के जहाजों में भरकर अपने देश ले गया व लॉर्ड डलहॉजी ने हमारे राजाओं के राज्यों पर कब्जा कर देश की प्राकृतिक सम्पदाओं पर अपना कब्जा कर लिया। अब देश के कुछ मुट्ठी भर भ्रष्ट नेताओं व उद्योगपतियों ने देश की जनता व प्राकृतिक सम्पदाओं से प्राप्त लगभग 400 लाख करोड़ रुपये का धन लूटकर देश के बाहर जमा करा रखा है। कालान्तर में ईस्ट इण्डिया कम्पनी तथा वर्तमान में 5000 से अधिक विदेशी कम्पनियाँ इस देश को लूटती आ रही हैं। अतः हम सब राष्ट्रभक्त जागरुक भाई-बहनों को संगठित होकर इस लूटतन्त्र व भ्रष्टतन्त्र को समाप्त कर विदेशों में जमा 400 लाख करोड़ रुपये का कालाधन अपने देश में लाना है।

जब ये 400 लाख करोड़ रुपये कृषि, उद्योग व सेवाओं के विकास में लगेंगे तो देश में एक भी व्यक्ति बेरोजगार नहीं होगा। गरीबी, मंहगाई व अन्य सब समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी। भ्रष्टाचार के मिटने एवं अन्याय व पक्षपात पूर्ण भ्रष्ट-व्यवस्था के परिवर्तन होने से सभी देशवासियों को न्याय मिलेगा। हम भी बचेंगे तथा देश भी बचेगा।

भारत भावी विश्व की आर्थिक व आध्यात्मिक महाशक्ति बनेगा। भारत के उदय से एक नए शान्ति व समृद्धि पूर्ण विश्व का उदय होगा। 2020 तक वर्ल्ड बैंक, आई.एम.एफ, यू.एन.ओ., डब्लू.टी.ओ., एच.डब्लू.ओ. विश्व की ये पाँच शीर्ष संस्थाएं भारत के नेतृत्व में कार्य करेंगी।

विदेशी कम्पनियों की मूल पूँजी व वर्तमान आर्थिक साम्राज्य 2010-11
विदेशी पूँजी निवेश (एफ.डी.आई.) का पूरा सच

(करोड़ रुपये में)

भारत में बड़ी एफ.एम.सी.जी., दवाई व एग्रो केमिकल कम्पनियाँ								
क्रम.सं.	कम्पनी का नाम	मूल देश व (व कम्पनी)	निवेश वर्ष	प्रारम्भिक निवेश	मार्केट कैपिटलाइज़ेशन	वार्षिक टर्नओवर (२०१०-११)	वार्षिक लाभ	कुल सम्पत्ति (करोड़ों में)
1.	आई.टी.सी.	ब्रिटेन-बी.ए.टी.	1910		156976.56	32830.43	5069.42	16653.76
2.	हिन्दुस्तान यूनीलीवर	ब्रिटिश-डच-यूनीलीवर	1933	24 लाख	82605.93	21348.01	2306.63	2679.98
3.	पेप्सी-को	अमेरिका	1989		नॉन-लिस्टेड	लगभग 10000.00		
4.	कोको-कोला	अमेरिका	1956		नॉन-लिस्टेड	लगभग 6500.00		
5.	नेस्ले	स्विट्जरलैंण्ड	1959		40906.78	6411.31	818.66	855.41
6.	प्रॉक्टर एण्ड गॅम्बल	अमेरिका	1964			5031.07	-96.47	
7.	कोलगेट पॉल्मोलिव	अमेरिका	1937	1.5 लाख	13330.70	2417.99	402.58	384.09
8.	ग्लैक्सो-स्मिथ-क्लीन	ब्रिटेन	1924		10670.12	2540.84	299.85	960.03
9.	ब्रिटेनिया	फ्रांस-ग्रूपे डेनॉन	1918		5314.94	4688.27	134.20	946.96
10.	फिलिप्स इंडिया	निदरलैण्ड् (डच)	1956	10 लाख	डी-लिस्टेड 2004	3314.30	117.50	820.10
11.	गॉडफ्रे फिलिप्स	अमेरिका	1936		3010.92	3069.38	165.87	1015.77
12.	बेयर	जर्मनी	1994		3120.20	2234.00	131.54	781.48
13.	कैडबरी इंडिया	ब्रिटेन-क्राफ्ट फूड	1969		डी-लिस्टेड 2004	2057.75	188.63	542.96
14.	बाटा	बरमूडा-स्विट्जरलैंण्ड	1931	70 लाख	4194.82	1295.16	12.27	468.95
15.	एम्वे	अमेरिका			नॉन लिस्टेड	1128.00		
16.	प फैज़र	अमेरिका	1950		3551.43	1020.06	169.76	1163.45
17.	नोवर्टिस (सीबा-गायगी)	स्विट्जरलैंण्ड	1947	4.57 करोड़	2048.69	809.74	146.67	703.17
18.	मोनसॅन्टो	अमेरिका	1949		125.69	368.30	42.83	374.32

संदर्भ-स्त्रोत : www.moneycontrol.com

भारत में बड़ी विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (एम.एन.सी.) (करोड़ रुपये मे लगभग)			
क्र. सं.	कम्पनी का नाम	मूल देश (व कम्पनी)	वार्षिक टर्न-ऑवर
1.	मारुति सुजुकी	जापान - सुजुकी	38000.00
2.	नोकिया	फिनलैण्ड	23000.00
3.	वोडाफोन	ब्रिटेन	22000.00
4.	हुण्डई	साऊथ कोरिया	20000.00
5.	हैवलेट पैकर्ड (हेच.पी.)	अमेरिका	18500.00
6.	हिन्दुस्तान यूनीलीवर	ब्रिटिश-डच-यूनीलिवर	21300.00
7.	सैम्संग	साऊथ कोरिया	16000.00
8.	एल.जी.	साऊथ कोरिया	16000.00
9.	होल्किम (अम्बुजा/ए.सी.सी. सीमेन्ट)	स्विड्जरलैण्ड	16000.00
10.	आई.बी.एम.	अमेरिका	14000.00

गत्-वर्ष 2010-11 की अन्तिम तिमाही में भारत की जी.डी.पी. की दर 8.1% थी परन्तु वर्ष 2011-12 की अन्तिम तिमाही में यह दर गिरकर मात्र 6.1% रह गयी है जो विदेशी कम्पनियों की लूट का ही परिणाम है।

आइये! एक संत, संन्यासी और योगी की स्वदेशी क्रान्ति में हम भी सहभागी बनें और अपने राष्ट्र को विदेशी कम्पनियों की लूट से बचायें

राष्ट्र को विदेशी कम्पनियों से होने वाली प्रमुख हानियाँ

1. विदेशी कम्पनियाँ पूँजी व तकनीक लेकर आती है तथा रोजगार, निर्यात व प्रतिस्पर्धा बढ़ाती हैं। ये पाँच बड़े झूठ बोलकर देश को विदेशी कम्पनियों के हवाले करके भ्रष्ट राजनेताओं ने देश लूटा व लुटवाया है। सच ये है कि विदेशी कम्पनियाँ प्रतिवर्ष हमारे देश की लाखों करोड़ रुपये की पूँजी लूटती हैं अधिकाँश विदेशी कम्पनियाँ साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, क्रीम, पाऊडर, अचार, चटनी व कोल्ड्रिंक्स आदि बनाती हैं, जिसमें कोई बड़ी तकनीकि (टैक्नोलॉजी) प्रयोग में नहीं आती हैं। इससे बेरोजगारी बढ़ती है तथा निर्यात और प्रतिस्पर्धा समाप्त होती है।
2. देश की आर्थिक लूट के साथ-साथ हमारे आहार, विचार, संस्कार व संस्कृति को भी दूषित करती हैं हमारी माँ बहन बेटियों को थोड़ा सा आर्थिक प्रलोभन देकर अश्लील व नग्नता के नंगे नाँच का षड्यन्त्र रचती हैं।
3. प्रतिबन्धित दवा व अन्य उत्पादों का जो कचरा विदेशों में नहीं बिकता वो हमारे यहाँ ये विदेशी कम्पनियाँ खुले तौर पर बेचती हैं। एलोपैथी की सैकड़ों दवा एवं कीटनाशकों के साथ परमाणु बिजली घरों की रिजेक्टिड टैक्नोलॉजी का हमारे यहाँ खतरनाक तरीके से प्रयोग हो रहा है-
4. आर्थिक गुलामी के साथ धीरे-धीरे ईस्ट इण्डिया की कम्पनी की तरह एक दिन देश को राजनैतिक रूप से भी गुलाम बना लेती हैं।
5. जिस देश में विदेशी कम्पनियाँ होती हैं, वह देश कभी भी आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी नहीं हो सकता तथा वहाँ के नागरिकों का स्वाभिमान समाप्त हो जाता है।

राष्ट्र को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से होने वाले लाभ

1. देश का प्रतिवर्ष लाखों करोड़ का धन विदेशों में नहीं जायेगा और भारत शीघ्र ही विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनेगा।
2. विदेशी कचरा व विदेशी कल्चर (संस्कृति) से देश बचेगा।
3. देश आर्थिक गुलामी से मुक्त होगा तथा उद्योग, शिक्षा व स्वास्थ्य से लेकर सुरक्षा आदि हर क्षेत्र में स्वदेशी से स्वालवलम्बी व स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण होगा।
4. ग्रामोद्योग व लघु उद्योग के प्रोत्साहन से गाँव में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।
5. कोकाकोला, पेप्सी व अन्य अत्यन्त हानिकारक पेय तथा नशीली वस्तुओं से देश मुक्त होकर स्वस्थ व समृद्ध बनेगा।

उत्पाद	विदेशी (बहिष्कार करें)	स्वदेशी (स्वीकार करें)
टूथपेस्ट/दंत मंजन	अधिक्तर टूथपेस्ट हड्डियों के चूरे से बनते हैं। कोलगेट, हिन्दुस्तान लीवर (क्लोज अप, पेप्सोडेन्ट, ऐम, सिबाका), एक्वाफ्रेश, एमवे, (फोरहन्स), ओरलबी, क्वान्टम, आदि।	दन्तकांति, दन्त मंजन (पतंजलि), मंजन- एमडीएच, विको बज्रदन्ती, वैद्यनाथ, गुरुकुल फार्मेसी, चॉइस, नीम, एंकर, मिस्वाक, बबूल, प्रॉमिस, आदि।
टूथब्रश	कोलगेट, क्लोजअप, पेप्सोडेन्ट, एक्वाफ्रेश, सिबाका आदि।	पतंजलि टूथब्रश, प्रोमिस, अजय, अजन्ता, मोनेट, रोयल, क्लासिक, डॉ० स्ट्रॉक आदि।
नहाने का साबुन	हिन्दुस्तान लीवर (लक्स, लिरिल, लाईफबॉय, लेसांस, डेनिम, केमे, डॉव, रेवलॉन, पियर्स, रेक्सोना, ब्रीज, हमाम, ओके) पॉण्ड्स, डिटोल, क्लियरसिल, पामोलिव, एमवे, जॉनसन बेबी आदि।	ओजस, कायाकान्ति, कायाकान्ति एलोवेरा (पतंजलि), निरमा, मेडीमिक्स, नीम, निमा, जेस्मीन, मैसूर सेंदल, कुटीर, सहारा, हिमानी ग्लिसरीन, गोदरेज (सिंथोल, फेयरग्लो, शिकाकाई, गंगा), विप्रो, संतुर आदि।
शैम्पू	कोलगेट पामोलिव (हैलो, पामोलिव) हिन्दुस्तान लीवर (लक्स, क्लिनिक, सनसिल्क, रेवलॉन, लेक्मे) प्रोक्टर एवं गेंबल (पेन्टीन, मेडीकेयर) पोण्ड्स, ओल्ड स्पाइस, शावर टू शावर, हेड एंड शोल्डर, जॉनसन बेबी आदि।	केश कान्ति (पतंजलि), विप्रो, पार्क अवेन्यू, स्वातिक, अयूर हर्बल, केशनिखार, हेयर एण्ड केयर, नाइसिल, अर्निका, वेलवेट, डाबर वाटिका, बजाज, नाईल, लेवेण्डर, गोदरेज आदि।
कपड़े व बर्तन धोने के साबुन, पाउडर व नील	हिन्दुस्तान लीवर (सर्फ, रिन, सनलाइट, व्हील, ओके, विम) एरियल, चेक, हेन्को, रिविल, एमवे, क्वान्टम। ऊनी कपड़ों के लिए-वुलवॉश, ईजी। नील-रॉबिन ब्लू, टीनापाल, स्काईलार्क आदि।	उज्जवल केक, उज्जवल पाउडर (पतंजलि), टाटा शुद्ध, निमा, मोदी, केयर, सहारा, स्वास्तिक, विमल, हिपोलीन, फेना, ससा, टी सीरीज, डॉ० डेट, घड़ी। ऊनी कपड़ों के लिए –जैंटिल।नील –उजाला, रानीपाल, निरमा, चमको, डिप आदि।
शेविंग क्रीम व ब्लेड	ओल्डस्पाइस, पामोलिव, पॉण्ड्स, जिलेट, इरास्मिक, डेनिम यार्डले आदि। जिलेट (7 ओक्लोक, इरास्मिक) विल्मैन, विल्टेज आदि।	पार्क अवेन्यु, प्रीमियम, वीजॉन, इमामी, बलसारा, गोदरेज, निविया आदि। टोपाज, गेलेन्ट, सुपरमेक्स, लेजर, एसक्वायर, सिल्वर प्रिन्स, प्रीमियम आदि।

उत्पाद	विदेशी (बहिष्कार करें)	स्वदेशी (स्वीकार करें)
क्रीम, पाउडर व सौन्दर्य प्रसाधन की सामग्री	हिन्दुस्तान लीवर (फेयर एवं लवली, लेक्मे, लिरिल, डेनिम, रेवलोन), प्रोक्टर एवं गेम्बल (आयल एंव ओले, क्लियरसिल, क्लियरटोन) चार्मिस, पॉण्ड्स, ओल्ड स्पाइस, डेटाल, नाइसिल, चार्ली, जॉनसन बेबी आदि।	ऐलोवेरा जैल, कायाकान्ति, नीम, कांतिलेप, तेजस ब्यूटी क्रीम, तेजस एन्टी रिंकल क्रीम (पतंजलि), बोरोसिल अयूर इमामी, विको, बोरोप्लस, बोरोलीन, हिमानी गोल्ड, नाईल, लेवेण्डर, हेयर एण्ड केयर, निविया, हेवन्स, सिंथोल ग्लोरी, वेलवेट (बेबी) आदि।
रेडिमेड वस्त्र	रैंगलर, नाइक, एडीडास, न्यूपोर्ट, प्यूमा आदि।	पतंजलि परिधान, केम्ब्रिज, पार्क अवेन्यू, ओक्जेम्बर्ग, बॉम्बे डाइंग, रफ एंड टफ, ट्रिगर जीन्स, पतंजलि वस्त्रम आदि।
घड़ी	राडो, रॉलैक्स, स्वीसको, सीको आदि।	टाइटन, एचएमटी, मैक्ज़िमा, प्रेस्टिज, अजन्ता।
पेन, पेन्सिल	पारकर, निकलसन, रोटोमेक, स्विसएयर, एडजेल, राइडर, मित्सुबिशी, फ्लेयर, यूनिबाल, पायलट, रोलगोल्ड आदि।	कैमल, किंग्सन, सेलो, विल्सन, टूडे, नटराज, ऐम्बेसेडर, लिंक, मोन्टेक्स, स्टीक, संगीता, लक्सर, अप्सरा आदि।
कोल्ड–ड्रिंक्स	कोका कोला (कोक, फैन्टा, स्प्राईट, थम्सअप, गोल्डस्पॉट, लिम्का), पेप्सी (लहर, 7 अप, मिरिण्डा, स्लाइस) टीम, सिट्रा, मेकडोवल।	एप्पल जूस, गुलाब शर्बत, बादाम शर्बत (पतंजलि), दूध लस्सी, छाछ, जूस, नींबू पानी, नारियल पानी, शेक, ठंडाई, जलजीरा, रूहअफजा, रसना, फ्रूटी, गोदरेज जंपईन आदि।
चाय व कॉफी	लिप्टन (टाइगर, ग्रीन लेबल, येलो लेबल, चीयर्स) ब्रुक बॉण्ड (रेड लेबल, ताजमहल) गॉडफ्रे फिलिप्स, पोलसन, गुडरिक, सनराईज। कॉफी – नेस्ले, नेस्कैफे, रिचबू। (चाय व कॉफी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है)	चाय–दिव्य पेय (पतंजलि), टाटा, ब्रह्म पुत्र, असम, गिरनार। कॉफी–इण्डियन कैफे, एम.आर.।
शिशु आहार व दूध–पाउडर	नेस्ले (लेक्टोजन, सेरेलक, नेस्टम, एल.पी.एफ., मिल्क मेड, नेस्प्रे, एवरीडे, गाल्टको) ग्लेक्सो (फैरेक्स) आदि।	पतंजलि शहद, पतंजलि जन्मघुट्टी, दालों का पानी, उबले चावल, फलों का रस। अमूल, इण्डाना, सागर, तपन, मिल्क केयर आदि।
आइसक्रीम	अधिकतर आइसक्रीमों में जानवरों की आँतों की परत होती है। वॉल्स, क्वालिटी, डोलप्स, कैडबरी आदि।	घर की बनी आइसक्रीम, कुल्फी, अमूल, वाडीलाल, मिल्क फूड आदि।
नमक	अन्नपूर्णा, कैप्टन क्रुक (हिन्दुस्तान लीवर), किसान (ब्रुकबॉण्ड), पिल्सबरी आदि।	सामान्य नमक, सैंधा नमक (पतंजलि), लो–सोडियम व आयरन–45 अंकुर, टाटा, सूर्या, ताजा, तारा, अंकुर नमक।
आलू चिप्स/नमकीन	अंकल, पेप्सी (रफल्स, हास्टेस, लेज), फनमंच, कुरकुरे आदि।	बिकानो नमकीन, हल्दीराम, घर में बने चिप्स, बीकाजी, एवं एवन आदि।
टमाटर सॉस, फ्रूट जैम	नेस्ले, ब्रुक बॉण्ड (किसान) ब्राउन एण्ड पालसन, आदि।	फ्रुट जैम, एपल जैम, मिक्स जैम (पतंजलि) घर में बना सॉस। इण्डाना, प्रिया, रसना आदि।
बिस्कुट/ चॉक्लेट	अधिकतर चॉकलेट में आर्सेनिक नामक जहर होता है। कैडबरी (बोर्नविटा, 5 स्टार) लिप्टन, हार्लिक्स, न्यूट्रीन, इक्लेयर्स, आदि।	गुड़+मूगंफली, बादाम ज्यादा स्वास्थप्रद है। आंवला कैन्डी, आरोग्य बिस्कुट, बेल कैंडी, कैंडी (पतंजलि)।पारले, बेकमेन्स, क्रीमिका, शाग्रीला, इन्डाना, अमूल, रावलगांव आदि।
पानी	एक्वाफिना, किनले, प्योर–लाईफ, ईवियन, सैन–पैलेग्रीमों, पैरियर आदि।	घर का उबला साफ पानी, यैस, गंगा, हिमालया, कैच, रेल–नीर, बिसलेरी आदि।
टॉनिक	बूस्ट, पोलसन, बोर्नवीटा, होर्लिक्स, कोम्प्लान, स्पर्ट, प्रोटिनेक्स।	बादाम पाक, च्यवनप्राश, अमृत रसायन (पतंजलि), न्यूट्रामूल, माल्टोवा।
घी/खाद्य–तेल	नेस्ले का घी, डालडा, आई.टी.सी. व हिन्दुस्तान लीवर के सभी ब्राण्ड।	आरोग्यम् सरसों तेल (पतंजलि) परम घी, अमूल घी, गाय का देशी घी।
टी.वी., फ्रीज, वाशिंग मशीन व इलैक्ट्रोनिक गुड्स	सोनी, फिलिप्स, हुंडई, सनसुई, आइवा, शार्प, एलजी, देवू, सैन्यो, नेशनल पेनासोनिक, कैनवुड, थॉमसन, सैमसंग, हिताची, तोशीबा, कोनिका, पायोनियर, केल्विनेटर, व्हिर्लपूल, केनस्टार, इलेक्ट्रोलक्स, आई.एफ.बी. वोल्टस।	ओनिडा, बी.पी.एल., विडियोकोन, अकाई, टी.–सीरीज, सलोरा, वेस्टर्न, क्राउन, टेक्सला, गोदरेज।
मोबाईल, टेलीफोन सेवाप्रदाता	नोकिया, एल.जी., सोनी, सेमसंग। *सेवा प्रदाता* – वोडाफोन, यूनिनॉर।	अजन्ता, ओरपेट, ऊषा–लक्सस, ऑनिडा, विडियोकॉन, जेन मोबाईल, रिलाईन्स, टाटा, टी–सीरीज, कार्बन, बीटेल, ईन्टैक्स, मैक्स। *सेवा प्रदाता* – एम.टी.एन.एल, बी.एस.एन.एल., टाटा, एयरटेल, आईडिया, रिलाईन्स।
वाहन	कावासाकी, होण्डा, हुण्डई, सन्ट्रो, फोर्ड रॉयल–ईन–फील्ड, मर्सडिज, टोयटा, करोला, स्कोडा, निशान, कायनैटिक, सीवरलैट, देव, मीत्सूबिसी, रोल्स रॉयल, सन मोटर्स, सूजूकी।	बजाज, टी.वी.एस., टाटा, तूफान, स्वराज–माजदा, अम्बेसडर, इन्डस, अजन्ता, हिन्दुस्तान मोटर्स, मारूति, महेन्द्रा।
बीज एवं कीटनाशक	हिन्दुस्तान लीवर, पायनियर, हेक्स्ट, फाईजर, सिजेन्टा, मोनसेन्टो, कारगिल। इन सभी कम्पनियों के बीजों एवं कीटनाशकों का बहिष्कार करें।	स्थानीय स्तर के पारम्परिक बीजों व कीटनाशकों का उपयोग करें।
सीमेन्ट	हॉलसिम, लाफाज, ए.सी.सी., हैडलबर्ग, सिम्पोर सिमेन्ट, ईटल सिमेन्ट।	गुजरात अम्बुजा, अल्ट्राटेक, ग्रेसिम, इण्डिया सिमेन्ट, जे.के. सिमेन्ट, जे.पी. सिमेन्ट, सेन्चुरी सिमेन्ट, मद्रास सिमेन्ट, आधुनिक एम.एस.पी., टॉपसम, स्टार, मेक्स।

नोट – स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग में भी आश्रम द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देना, क्योंकि आश्रम आपको न्यूनतम मूल्य पर अच्छी से अच्छी दवा व स्वस्थ उत्पाद (दैनिक जीवन में उपयोगी च्यवनप्राश, मंजन, टूथपेस्ट, साबुन व शैम्पू आदि) उपलब्ध करवाता है तथा उत्पादों के विक्रय से प्राप्त लाभांश का पूरा उपयोग गरीबों व जनसामान्य की सेवा एवं राष्ट्र–निर्माण के पवित्र उद्देश्य के लिए ही किया जाता है।